Dainik Bhaskar (Indore), 12th February 2026, P- 09

BIS कॉर्नर से छात्रों व स्टार्टअप को मिलेगा शोध सहयोग

IIT में 800 स्टूडेंट्स के साथ 12 वर्कशॉप हुई

सिटी रिपोर्टर • इंदौर

आईआईटी इंदौर में बुधवार को बीआईएस- सतत विकास के लिए शैक्षणिक सहयोग विषय पर एक कार्यशाला हुई। इसमें शिक्षक, शोधकर्ता, छात्र और उद्योग से जुड़े लोग, स्टार्टअप फाउंडर्स सहित भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। शुरुआत भारतीय मानकों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से की गई। आईआईटी के प्रो. मनीष कुमार गोयल ने बताया कि बीआईएस कॉर्नर छात्रों, शोधकर्ताओं और स्टार्टअप के लिए जानकारी और संसाधन उपलब्ध कराने वाला केंद्र बनेगा। इससे मानकों के अनुसार शोध और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। आईआईटी के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने कहा कि मानकीकरण से गुणवत्ता और नवाचार दोनों को मजबूती मिलती है। कार्यशाला में 2023 से 2025 के बीच हुए समझौते के तहत मिली उपलब्धियों की जानकारी भी दी गई। इस दौरान 800 से ज्यादा प्रतिभागियों के साथ 12 कार्यशालाएं और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। आईआईटी इंदौर के शिक्षकों ने बीआईएस के तहत 33 शोध प्रस्ताव दिए।